



रस Made with KINEMASTER

भट्टलोललट्ट(मीमांसा दर्शन)-- उत्पत्ति वाद
आचार्य शंकुक (न्याय दर्शन)--अनुमति वाद
भट्ट नायक (सांख्य दर्शन)--भुक्ति वाद

रसविचार

- प्रा. डॉ. प्रदीप पाटील

सहा. प्राध्यापक, मराठी विभाग,
विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापूर (स्वायत्त)
संपर्क - ९७६३२४३०१७

रस म्हणजे काय?

- ▶ रस म्हणजे भावना
- ▶ रसप्रतिती
- ▶ रसास्वाद
- ▶ रसनिष्पती

रस आणि स्थायी भाव

१. शृंगार – रती

२. वीर – उत्साह

३. करुण – शोक

४. हास्य - हास

५. रौद्र - क्रोध

६. भयानक – भय

७. अद्भूत – विस्मय


८. बीभत्स - जुगुप्सा

शृंगार रस



► सौंदर्याची भावना

वीर रस





बुक रही है भूमि बाईं ओर, फिर भी,
कौन जाने?
नियति की आँखें बचाकर,
आज धारा दाहिने बह जाए।

जाने,
किस किरण-शर के वरद आघात से,
निर्वर्ण रेखा-चित्र, बीती रात का,
कब रंग उठे।
सहसा मुँबर हो,
मूक क्या कह जाए?

‘सम्भव क्या नहीं है आज-
लोहित लेखनी प्राची क्षितिज की,
कर रही है प्रेरणा,
यह प्रश्न अंकित?

कौन जाने,
आज ही निःशेष हों सारे,
सँजोये स्वप्न,
दिन की सिद्धियों में,
कौन जाने,
शेष फिर भी,
एक नूतन स्वप्न की सम्भावना रह जाए।

‘बालकृष्ण बाबू’ 



Net Nagari

© nagarifoundation © www.nagari.netnagari.com



▶ पराक्रमाची भावना

करुण रस

LABS

रस (करुण) : वेदना की
अभिव्यक्ति के भाव को
व्यक्त करने वाला रस!



दुःखाची भावना

हास्य रस

LABS

हास्य रस : विनोद की अभिव्यक्ति के भाव को व्यक्त करने वाला रस



"किसी की वेशभूषा, क्रियाकलाप आकर्षित और चेष्टा को देखकर मन में जो हर्ष और विनोद का भाव जागता है उससे ही हास कहते हैं और जब यही हास हमें विभाव, अनुभाव व संचारी भाव के माध्यम से प्राप्त होता है उसे ही हास्य रस कहते हैं।"

आनंदाची भावना

रौद्र रस



क्रोध भावना

भयानक रस



भय भावना

अदभूत रस



आश्चर्य भावना

बीभत्स रस

LABS

बीभत्स रस : घृणा की
अभिव्यक्ति के भाव को
व्यक्त करने वाला रस



जुगुप्सा भाव

धन्यवाद!

- प्रा. डॉ. प्रदीप पाटील

सहा. प्राध्यापक, मराठी विभाग,
विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापूर (स्वायत्त)

संपर्क - ९७६३२४३०१७